इ
का
ई

6 जीवन–दर्शन

इस इकाई को पुस्तक में शामिल करने के पीछे यह उद्देश्य रहा है कि विद्यार्थी पुस्तक के इस खंड की विधाओं के माध्यम से जीवन के आंतरिक पक्ष के प्रति अपनी उत्सुकता या कौतुहल के सूक्ष्म तन्तुओं को पकड़ सकें। उस पर अपने भाव, विचार को सजगता व संवेदनशीलता के साथ प्रकृति में उपलब्ध अनुभवों को महसूस करते हुए रख सकें। इस खंड में शामिल रचनाएँ विद्यार्थियों की झीनी अनुभूतियों व भाषिक संवेदनाओं को प्रखर बनाने में सहायक होंगी साथ ही कल्पना तत्व और सौंदर्य के पहलुओं को समझ कर भावों को अभिव्यक्त करने वाली भाषिक प्रयोग के बारे में समझ बना पाएंगे।

आरसी प्रसाद सिंह की रचना "जीवन का झरना" जीवन में सुख–दुख का सामना करते हुए भी अनवरत आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देती है। जीने के वास्तविक मर्म को समझते हुए सकारात्मकता के साथ जीवन पथ में आने वाली हर बाधाओं का सामना करने की सीख देती है। गतिशीलता को अपने जीवन पथ के ध्येय के रूप में रखती यह कविता जीवन को जड़ता से जीवन्तता की ओर उन्मुख करने के लिए प्रेरित करती है।

सुभद्रा कुमारी चौहान की कविता "साध" में शांति प्रिय जीवन की मधुर कल्पना की गई है। नदी के नीरव प्रवाह से जीवन की तुलना करते हुए कवयित्री ने संतोषप्रद जीवन अपनाने का आह्वान किया है। कवयित्री की चाहत है कि मानव जीवन नदी के शांत प्रवाह–सा हो और उसमें हर आनेवाले पल में नवीनता का एहसास हो। जीवन की यह उर्वरता हमारे जीवन अनुभवों और अनुभूतियों को अनुगूँजित करते हुए संगीतमय बनाती है।

कन्हैया लाल मिश्र प्रभाकर का निबंध "एक था पेड़ एक था ठूँठ" में मनुष्य के स्वभाव की तुलना बाँझ के हरे–भरे पेड़ ओर ठूँठ से की है। ठूँठ को निर्जीव जड़ता और विनाश का प्रतीक बताते हुए लेखक कहते है कि जीवन में जो व्यक्ति बिना सोचे समझे परम्परागत आदर्शों और सिद्धान्तो पर अड़े रहते हैं वास्तव में उनका जीवन निरर्थक होता है। बाँझ का हरा–भरा पेड़ जो हवा के झोकों के साथ हिलता–डुलता रहता है पर उसकी जड़ उसे मजबूती से थामे रहती है। मनुष्य के विचार भी बाँझ के पेड़ की तरह होने चाहिए लचीलें और परिस्थितियों के साथ समन्वय साधने वाले। परन्तु हमारे निर्णयों में दृढ़ता हो, जीवन्तता हो, विषम परिस्थितियों में भी जड़ों के समान डटे रहने की शक्ति होनी चाहिए। इस तरह इस पाठ के माध्यम से लेखक व्यक्ति के विचारों की दृढ़ता और लचीलेपन के बारे में बातचीत करते हैं और जीवन व्यवहार के सत्य को बखूबी स्पष्ट करते हैं।